

यंरा M. 9, 92. आददीत बलं राजा MBh. 13, 241. नाजितान्वे नरपतीनृक्-
मादद्भि (lies °पतीनृक्) कोश्वन 2, 880. सर्वमाददीयं (sic) यदिदं पृथिव्याम्
(der Wind spricht) KENO. 22. आदाय in Begleitung von, mit: आदाय
कुत्तो भ्रातृश्च जगामासु MBh. 1, 588. 1. 3, 7043. DRAUP. 1, 13. शीघ्रमादाय ग-
च्छ माम् N. 14, 8. R. 1, 62, 1. 2, 34, 15. 3, 42, 30. ÇĀK. 73, 1. 111, 4. PAÑĀT.
5, 9. 33, 24. 36, 2. 95, 14. VID. 26. 103. आभिषेचनिकं सर्वमिदमादाय — प्र-
तीकते त्वं स्वन्नन: R. 2, 79, 4. ततस्तं घटमादाय पूर्णं परमवारिणा । आश्रमं
तमहं प्राप DAÇ. 2, 3. MBh. 1, 6224. रथमादाय रथशालामुपागमत् N. 21, 26.
ततः प्रविशति यज्ञमानः कुशानादाय ÇĀK. 31, 1. ततः प्रविशति यथोक्तं रथ-
मादाय सारथिः PRAB. 79, 1. VET. 36, 9. स चोपागच्छेत्तमादाय KATHĀS. 5,
68. एते खलु काश्यपसंदेशमादाय तपस्विनः संप्राप्ताः ÇĀK. 61, 7. अनादाय
ohne R. 2, 30, 10. — 4) ergreifen, fassen, packen: अशपत यः करं व व
आददे RV. 1, 161, 12. आदत्त वज्रम् 5, 29, 2. 10, 49, 2. व्यन्धो अन्धदृक्-
माददानः 4, 19, 9. हस्ते दात्रं चना ददे 8, 67, 10. 43, 4. VS. 3, 22. ÇĀT. Br.
1, 8, 2, 11. 2, 5, 2, 6. 3, 3, 4, 26. 11, 4, 2, 1. KĀTJ. Çr. 2, 4, 11. यथा श्येन आद-
दीत SHADY. Br. 3, 8. त्वं चिदपि मधुपं शयानमसिन्वं वज्रं महाददुःपुः RV.
5, 32, 8. — आदाय हस्ते ताम् BRAHMA-P. 54, 16. तूष्णमादाय MBh. 1, 6202.
3, 16434. महाजले हंसमिवादायामि 10651. भाण्डानि चाददानानां घोषः R.
2, 89, 16. धनुः MBh. 3, 11980. 5, 7244. ÇĀK. 93, 18. HIT. 34, 19. धनुरादाय-
मानः MBh. 1, 7029. तदस्त्रं पुनराददे R. 3, 32, 7. RAGH. 3, 60. आददानस्य भू-
यश्च संदधानस्य चापरान् (शरान्) MBh. 6, 3242. 14, 2158. R. 3, 38, 7. ÇĀK.
49, 16. 105, 11. 15. HIT. 30, 1. 43, 19. VET. 37, 8. त्रिगर्तराजमादातुं सिंहुः
तुद्रमृगं यथा MBh. 4, 1113. 6, 2248. आदातुं च नरव्याधौ यं यमच्छक्ययं त-
दा । तस्य विल्लवते बुद्धिः 2, 1430. 1324. रश्मिध्रिवादाय नगेन्द्रसक्तो निव-
र्तयामास नृपस्य दृष्टिम् RAGH. 2, 28. स्कन्धेनादाय मुसलं लगुडं वापि auf
die Schulter legen M. 8, 315. आतं ergriffen, erfasst KĀTJ. Çr. 7, 4, 38. 9,
4, 25. LĀTJ. 5, 10, 8. शरीरमातं मृत्युना KHĀND. Up. 8, 12, 1. धनुस् MBh. 6,
5592. °शस्त्र RAGH. 13, 46. VARĀH. BRU. 26 (25), 14. ÇĀK. 95, 11. °दाड 105.
— 5) anthon, anlegen: आ सोमो वज्रा रभसानि दत्ते RV. 9, 96, 1. यद्यच्छ-
रीरमादत्ते ÇVETĀÇV. Up. 5, 10. — 6) zu sich nehmen, geniessen: सोमस्य
मित्रावरूपोर्दिता सूर आ ददे । तदातुरस्य भेषजम् RV. 8, 61, 17. जलना-
ददाना (धनुः) RAGH. ed. Calc. 2, 6. — 7) mit den Sinnen fassen, gewahr-
werden, fühlen, empfinden: प्राणैर्न ब्रूयमादत्स्व रसानादत्स्व चतुषा ॥ श्रो-
त्रेण गन्धानादत्स्व स्पर्शानादत्स्व जिह्वया । त्वचा च शब्दानादत्स्व बुद्ध्या
स्पर्शमथापि च ॥ MBh. 14, 675. fg. वातमाददिरे गजाः 6, 3154. दाकृमाददे
RĀGĀ-TAR. 2, 75. भोगानपूर्वानादत्स्व MBh. 14, 677. परमृतकलद्यापारेषु
त्वमातरतिः MĀLAV. 76. den Gedächtniss einprägen, sich merken, behal-
ten: यथैवं वचनं श्रुत्वा ब्रूयात्प्रतिवचो नरः । तदादाय वचस्तस्य ममाविद्यम्
N. 17, 41. — 8) annehmen, gutheissen: अकृमप्याददे वचः MBh. 5, 7324.
न तद्वचनमाददे R. 2, 90, 16. इदमेव निमित्तमादाय समुद्योष्यतां सेनापतिः
MĀLAV. 9, 16. — 9) auf sich nehmen, sich hingeben, sich an Etwas ma-
chen: तस्यामात्त्रतायाम् KATHĀS. 21, 142. कृष्णक्राडिं य आददे BHĀG. P. 2,
3, 15. ब्राह्मणोश्चात्तवैरः anheben, beginnen MBh. 13, 3567. मार्गम्, पङ्क्ति-
म् einen Weg einschlagen R. 3, 77, 2. RAGH. 3, 46. वचनम्, वाक्यम्, वाच-
म् das Wort ergreifen, zu reden beginnen MBh. 3, 11983. 5, 7512. 14,
293. HARIV. 5006. R. 5, 81, 2. 85, 16. RAGH. 1, 59. आददायन् darbringend:
एतेषु यश्चरते धाजमानेषु यथाकालं चाकृतयो ह्याददायन् । तन्नपत्येताः u.
s. w. MUND. Up. 1, 2, 5. ÇĀK. erklärt आददायन् durch आददानाः (pass.) =

यज्ञमानेन निर्वर्तिताः, aber आकृतयः ist acc. und = आकृताः. — 10) an-
setzen, anheben (zu sprechen u. s. w.): मन्दमिवाद्य आददीत PAÑĀV. Br.
7, 1. उडाता प्रथम आददानः LĀTJ. 2, 11, 9. पुनरादायम् wiederholt AIR. Br.
3, 17. PAÑĀV. Br. 9, 1. ÇĀK. Çr. 9, 20, 17. GRHJ. 3, 4, 6, 3. — Vgl. आद-
दि, आदातर, आदातव्य, 1. आदान, अनादाय, आदायिन्. — caus. nehmen
lassen: स्रुचावादाय ÇĀK. Çr. 1, 6, 16. 5, 11, 6. Vgl. आदायन. — desid.
med. zu ergreifen im Begriff stehen: पाणिपल्लवम् — आदित्समानस्य
DAÇAK. in BRNF. Chr. 210, 11. Vgl. आदित्सु.

— अन्वा med. wieder an sich nehmen: अन्वा ऽअहं तां दास्ये ÇĀT. Br.
2, 1, 2, 16.

— अया med. von einem Andern abtrennen und aufnehmen; abneh-
men: तत्पाप्मानमपादते ÇĀT. Br. 5, 3, 4, 13. 6, 4, 9. 8, 2, 6. 9, 1, 2, 5. मृ-
त्पिण्डमपादाय मकृवीरं करोति 14, 1, 2, 17. लोकस्य सर्वावतो मात्रामपा-
दाय 7, 4, 10, 2, 5. अस्ति क्षिण्यस्यापात्तम् 9, 4, 10. दर्माणामपादते KAUC. 2.
दर्व्यात्तममपादाय 68. — Vgl. अयादान.

— अया med. 1) an sich reißen, fortnehmen: न हिनतः परमभ्याद-
दीत MBh. 1, 3558 = 12, 10999 = 13, 4985. act.: चारयित्वा धनमिदं कृ-
रिष्ये ऽभ्यादाम्यकम् HARIV. 14602. — 2) anthon, aufsetzen: अभ्याददे
— स्रजम् HARIV. 13086. — 3) वाक्यम् das Wort ergreifen, zu reden an-
fangen MBh. 3, 3384. — 4) अयात्त mit act. Bed. umfassend KHĀND. Up.
3, 14, 2; nach ÇĀK. von अत्. — Vgl. अयादान.

— समभ्या med. zusammenfassen: एतास्तेजोमात्राः समभ्यादानः ÇĀT.
Br. 14, 7, 2, 1.

— उदा erheben: उदादायं पृथिवीम् VS. 1, 28. — Vgl. उदात्त.

— उपा med. 1) in Empfang nehmen, erhalten; erlangen, erwerben:
कथं तु देवाः हविषा गयेन परितर्पिताः । पुनः शक्यत्युपादानुमन्वैर्दत्तानि
कानिचिन् MBh. 3, 8537. 14, 2770. इह ह्येतदुपात्तं प्रेत्य स्यात्कुरुकोदायम्
13, 4427. 14, 2772. भूर्या पितामहोपात्ता निबन्धो द्रव्यमेव वा JĀGĀ. 2, 121.
येदापात्तं यशः पित्रा धनं वीर्यमथापि वा MĀRK. P. 21, 93. 44, 39. यं यमर्थ-
मुपादते दुःखेन BHĀG. P. 3, 30, 2. दुःखोपात्ताल्पवित्तं BHART. 3, 26. तेन ह्यु-
पात्तं सकलं सर्वं ज्ञानमितस्ततः MBh. 7, 1467. उपात्तविद्युः KATHĀS. 10, 9.
— 2) nehmen, sich zueignen; fortnehmen, wegnehmen, abnehmen, rau-
ben: उपादत्स्व यदत्र वसु मन्यसे MBh. 3, 8599. उपात्तसारश्चतुषा स्ववि-
षयः MĀLAV. 22, 19. प्रत्यर्थिनो हस्ताडुपात्ताङ्गुलीयकम् RĀGĀ-TAR. 6, 33.
वसुतेषु उपादाय MBh. 2, 1100. 4, 2119. उपात्तधनधान्यानि (वेश्मानि) R. 2,
33, 18. — 3) mit sich nehmen, उपादाय mit: पुनरस्मानुपादाय तथैव व्रज MBh.
1, 5880. 3, 2606. सूतमन्यनुपादाय यौ स्वपुरमेव कृ 3028. अमिहोत्राप्यु-
पादाय पाञ्चालानभ्यगच्छत 4, 139. 13, 2728. HARIV. 6606. R. 1, 18, 9 (GOBR.
11). 2, 30, 23. KATHĀS. 21, 134. — 4) ergreifen, in die Hand nehmen, fas-
sen: उपादाय (दर्मान्) KAUC. 90. धनुः MBh. 3, 1553. RAGH. 9, 54. अस्त्राप्यु-
पाददुः (act.) BHĀG. P. 1, 8, 12. असिम् — उपाददे 5, 9, 17. MBh. 3, 12090.
कालाञ्जनम् — उपात्तम् KUMĀRAS. 7, 20. तमोमात्रामुपादाय BHĀG. P. 3, 11,
27. उपादातुं पुष्पाणि फलानि च pfücken, lesen R. 3, 13, 18. MBh. 3, 2937.
तोयम् Wasser schöpfen SUÇR. 1, 70, 6. MĀRK. P. 29, 21. यत्र (गिरौ) नित्य-
मुपादते वासवः परमं जलम् (um es als Regen wieder von sich zu geben)
MBh. 6, 4, 17. अमिहोपादीयमानः, अनुपात्तः auffangen NIR. 7, 23. उपादाय
ergriffen habend so v. a. haltend: अष्टौ सिंहानुपादाय प्रूलाम्रे R. 3, 7, 7. दे-
कम्, तनुमुपादा einen Körper anlegen, annehmen BHĀG. P. 1, 9, 10. 3, 4,